Bareilly, Thursday,
30 September 2021
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 12

दैनिक जागरण
inext

PAGE NO. : 04 TOP

युवावर्ग की पीड़ा को दर्शाता 'त्रिशंकु'

एसआरएमएस रिद्धिमा में हुआ नाटक त्रिशंकु का हुआ मंचन, नाटक के माध्यम से छलका शिक्षित बेरोजगार युवा का दर्द

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (29 Sept): कहानी की शुरुआत एक नाटक से होती है, जिसमें एक थिएटर वाली द्वारा नाटक का मंचन किया जा रहा होता है. इस नाटक में वही पुरानी भिसीपिटी लोभी राजा की कहानी दिखाई जा रही होती है जिसे सभागार में बैठे दर्शक नापसंद कर देते हैं और मंच पर अंडे, टमाटरों की बारिश कर देते हैं. वे थिएटर वाली से मांग करते है कि हमारी दिक्कतों और परेशानियों पर नाटक लिखो.

बेरोजगारी का छलका दर्द

नाटक वाली की नजर एक परेशान, कन्फ्यूज्ड युवा पर पड़ती है जो नौकरी की तलाश में अपनी डिग्री लिए भटक रहा होता है. वह युवक भविष्य में एक बड़ा आदमी तो बनना चाहता है, लेकिन उसे ये नहीं पता कि बड़ा आदमी बनेगा कैसे. इसी लड़के से शुरू होती है नाटक 'त्रिशंकु' की कहानी. नाटक का मुख्य पात्र डिग्री लेकर एक कंपनी में जाता है. लेकिन उसे नौकरी नहीं मिलती. एक बुद्धिजीवी आदमी लड़के को समझाता है कि तेरे पास अभी वक्त है तू जिन्दगी में सही राह को चुन सकता है. भविष्य में कुछ बन जाएगा नहीं तो तू त्रिशंकु की तरह बीच में लटका रह जाएगा. अंत में युवक आत्महत्या कर लेता है.

कलाकारों ने किया भावुक अभिनय

नाटक का निर्देशन अम्बुज कुकरेती द्वारा किया गया. नाटक के मुख्य कलाकारों में बेरोजगार शिक्षित युवक का किरदार प्रतुल ने खूबसूरत से निभाया, थिएटर वाली का किरदार नीलम वर्मा ने, महिला अफसर का किरदार डा. दीपशिखा जोशी ने, बुद्धिजीवी का किरदार विनायक श्रीवास्तव ने, नेता का किरदार अंशुमान, सेठ का शिवम यादव ने निभाया. साथ ही गौरव यादव, जीत, मानेश यादव, अभिनव, सौम्या, रमाकांत, रिया सक्सेना और संजीवनी महान ने सपोर्टिंग कैरेक्टर बखूबी निभाए. सभागार में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डॉ. प्रभाकर गुप्ता और शहर के सम्भ्रांत लोग मौजूद रहे.

तालियों से गूंज उठा रिद्धिमा का हॉल